Ref-No. GGVS-2021/21/155

# देशी गाय के दूध की महिमा

## स्वास्थ्यवर्धक A2 मिल्क

श्रीरामशान्तये

## जैविक कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र
## गोयल ग्रामीण विकास संस्थान

| गो आधारित जैविक कृषि को समर्पित |

राजस्थान जैविक प्रमाणीकरण संस्थान जयपुर द्वारा प्रमाणित

ग्राम जाखोड़ा, कैथून-सांगोद मार्ग, कोटा - 325001 (राजस्थान)

88759 95439 ggvs@goyalglobal.com www.ggvsglobal.com

# देशी गाय के दूध की महिमा : स्वास्थ्यवर्धक A2 मिल्क

## A2 दूध के फायदे :

1. देशी गाय का दूध पूर्णतः A2 प्रकार का हानिरहित दूध होता है। देशी गाय के दूध में यह स्वास्थ्य नाशक मादक विष तत्त्व बीसीएम 7 (बीटा केसोमौरफीन 7) नही होता । देशी गाय के दूध से बने पदार्थ मानव शरीर के लिए लाभदायक होते है।
2. भारतीय परम्परा में इसीलिए देशी गाय के दूध को अमृत कहा जाता है एवं वैदिक काल से ही देशी गोवंश का पालन किया जा रहा है।
3. A2 दूध में बीटा केसीन प्रोटीन होता है।
4. गो दुग्ध के लपेन्टोज को ब्रेन बुखार (मस्तिष्क का आहार) भी कहा जाता है।
5. गो दुग्ध बलवर्धक, बुद्धिवर्द्धक, आयुवर्द्धक एवं मस्तिष्क का उत्तम टॉनिक है।
6. गो दुग्ध में सेटेब्रोसाइड, लिलोनिक एसिड एवं ओमेगा तीन फेटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जो बच्चों के दिमाग के विकास के लिए आवश्यक होते है।
7. गो दुग्ध में पाये जाने वाले प्रोटीन एवं वसा श्रेष्ठ किस्म के होते है।
8. देशी गाय का दूध सुपाच्य, पौष्टिक, स्वादिष्ट एवं श्रेष्ठतम् पूर्ण आहार है।
9. आयुर्वेद के सुप्रसिद्ध ग्रन्थ चरक संहिता में दुग्ध प्रकरण में कहा गया है कि प्रवरम, जीवनियम श्री "मुक्तम रसायनम" अर्थात् दुग्ध जीवन दायनी शक्ति को बढ़ाने वाला श्रेष्ठतम रसायन है

## A2 मिल्क

- देशी गायों के 209 तत्त्व के डी.एन.ए. में 67 पद पर स्थित एमिनों एसिड प्रोटीन पाया जाता है। देशी गायों के दूध में प्रोटीन अपने स्थान 67 पर बहुत दृढ़ता से 66 पर स्थित एमिनों एसिड आईसोल्यूसीन से जुड़ा रहता है।
- म्युटेशन के कारण प्रोलीन हिस्टोडीन मे बदल जाता है। तथा वह 66वें स्थान पर स्थित आईसोल्यूसीन से नहीं जुड़ पाता है। ऐसी स्थिति में यह हिस्टोडीन मानव शरीर की पाचन क्रिया में टूटकर बिखर जाता है तथा विभिन्न प्रकार की बीमारियों का कारण बनता है।
- इस प्रक्रिया 7 एमिनो एसिड मिलकर मानव शरीर में अपना अलग अस्तित्त्व बना लेता है। इस 7 एमिनो एसिड के प्रोटीन को बीसीएम 7 (बीटा केसोमॉरफीन 7) नाम दिया गया है।
- बीसीम 7 एक अफीम परिवार का मादक तत्त्व है, जो बहुत शक्तिशाली ऑक्सीकरण (ऑक्सीडेन्ट) एजेण्ट के रूप में मानव स्वास्थ्य पर अपनी श्रेणी के दूसरे मादक तत्वों जैसा दूरगामी दुष्प्रभाव छोडता है।
- जिस दूध में यह विषैला मादक तत्त्व बीसीएम 7 पाया जाता है उस दूध को A1 दूध कहा जाता है।
- यह संकर नस्ल की गायों के दूध में पाया जाता है। म्युटेटेड बीटा केसो मारफीन प्रोटीन युक्त दूध ही ए1 दूध है।,
- इसलिए मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

## A1 दूध का मानव स्वास्थ्य पर दुश्प्रभाव :

1. वैज्ञानिक तौर पर पता चला है कि A1 दूध के सेवन से मानव स्वास्थ्य पर जैसे मस्तिष्क रोग, रोग–प्रतिरोधक क्षमता में कमी, ऑटिज्म, मधुमेह–1, उच्च रक्तचाप, आदि दुष्प्रभाव दिल का दौरा, धमनियों में रक्त का जमना।
2. जन्म के समय बालक के शरीर में Blood Brain Barrier नहीं होता है। माता के स्तनपान कराने के बाद तीन–चार वर्ष तक की आयु तक शरीर Blood Brain Barrier स्थापित हो जाता है। इसीलिए जन्मोपरान्त माता के स्तनपान द्वारा शिशु को पोषण का बचपन में ही नहीं बड़े हो जाने पर भविष्य में मस्तिष्क के रोग और शरीर की रोग निरोधक क्षमता, स्वास्थ्य और व्यक्तित्त्व के निर्माण में अत्याधिक महत्त्व होता है। A1 दूध के सेवन से इन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बाल्यावस्था में बच्चों के A1 दूध देने से बचना चाहिए।